

| | | | | | |
|-------------------------------------|---|----------------------|---------|--------------------------|------------------|
| 1. Identifikation: | | | | | |
| Geotopname: | Blockpackungen Schaliß | Geotop-Nr.: | G2_321 | Bilder | 2 |
| 2. Raumbezug (Lage): | | | | | |
| Lage: | 800 m SE des OT Schaliß, 2 km O Zarrentin, 1,5 km nw Bantin "Eichenbusch" | | | | |
| Gemeinde: | Bantin | | | | |
| BL: | MV | Kreis: | LWL | Gemeindeschlüssel | 13 0 54 005 |
| TK25: | 2431 | weitere TK25: | | | |
| H: (GIS) | 5936200 | R: (GIS) | 4430200 | H: (org.) | R: (org.) |
| KOOR | 1 | KFIND | K | Genauigkeit: | 3 |
| Höhensystem: | 4 | Höhe: | 45 | HFIND | K |
| | | | | Genauigkeit: | 3 |
| 3. Geologische Beschreibung: | | | | | |
| Geotoptyp: | 2301 | Blockpackung | | | |
| Regionalgeologie: | Jungmoränengebiet | | | | |
| Stratigraphie: | W1Frankfurter | | | | |
| Petrographie: | | | | | |
| Petrographie: | Blockpackung, Anhäufung von Geschieben, Endmoränenlage | | | | |
| Genese: | Endmoränenlage, sehr hoher Anteil von Großgeschieben, | | | | |
| Aufschlußart: | | | | | |
| Profil: | | | | | |
| 4. Größe des Objektes: | | | | | |
| Länge: | 200,00 | Breite: | 60,00 | Höhe: | 4,00 |
| Umfang(m) | | | | | |
| Volumen(m³) | | | | | |
| Fläche: | | | | | |
| Form: | | | | | |
| Quellschüttung(l/s) | | | | | |
| 5. Eigentümer: | | | | | |
| 6. Erreichbarkeit: | | | | | |
| | 1 - abgelegen; schwieriges Gelände | | | | |
| | 2 - zugänglich; ohne Mühe erreichbar | | | | |
| 2 | 3 - erschlossen; anfahrbar; Wegstrecke <100 m | | | | |
| 7. Nutzung: | | | | | |
| | Rotbuchen- Altbestand | | | | |

| | | | |
|---|--|--|---|
| 8. Zustand des Objektes: | | 1 - nicht beeinträchtigt | 4 - zerstört |
| 1 | 2 - gering beeinträchtigt (verwittert/verrollt; verschmutzt; verwachsen) | | 3 -stark beeinträchtigt (beschädigt; ranaturiert; rekultiviert; verfüllt) |
| 9. Schutzstatus: | | | |
| Schutz: | 3 | 1 - kein Schutzstatus 2 - im Verfahren 3 - vollzogen | Bezeichnung: BRN 2, L65 |
| 10. Bemerkungen/Kurzbeschreibungen: | | | |
| Frankfurter Haupteisrandlage; Fortsetzung in einem Knick, in dem zahlreiche Lesesteine abgelegt wurden, von F. Bremer bei Kartierung des Mbl.Zarrentin entdeckt | | | |
| am 11.03.2003 befahren, Bestätigung der Angaben | | | |
| 11. Anlagen: | | Karte: | |
| LP X | GK X | GP | LB |
| FO | DI | VI | SO |
| KARTE | | BILD1 | G2_321 |
| 12. Literatur/Referenz: | | | |
| Exk. 11/97 | | | |
| BREMER, F.: Geol.Karte 1:25000, Mbl. Zarrentin 2431 | | | |
| 13. Bearbeiter: | | | |
| Erstaufnahme (Name/Inst.): | W. Schulz, GLA M-V | Datum: | |
| Endbearbeitung (Name/Inst.): | H.D. Krienke, LUNG-G M- | Datum: | 17.06.99 |
| Nachträge (Name/Inst.): | H.-W. Lübecke, LUNG GD, M-V | Datum: | 17.03.03 |